राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय-थलीसैंण(पौड़ी गढ़वाल)

संस्कृत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में संस्कृत विभाग का संचालन 2021 से प्रारंभ हुआ है। इस विभाग में संस्कृत साहित्य की विभिन्न विषयों व्यथा- नीतिसाहित्य, व्याकरण, महाकाव्य, छंद, अलंकार एवं नाट्य आदि का अध्ययन कराया जाता है। ताकि संस्कृत साहित्य की ज्ञान परंपरा द्वारा विद्यार्थियों का चारित्रिक उन्नयन हो सके।

दृष्टि **(vision)**

संस्कृत विभाग का लक्ष्य संस्कृत भाषा और इस भाषा में उपलब्ध ज्ञान विज्ञान के असीम भंडार को संरक्षित करना एवं इस भाषा के गौरव, उदात्त मूल्यों को विद्यार्थियों में स्थापित करना तथा संस्कृत भाषा के प्रचार- प्रसार को बढ़ावा देना है।

उद्देश्य **(mission**

1.विद्यार्थियों को स्नातक के पाठ्यक्रम से संबंधित पाठ्यचर्या का अध्ययन कराते हुए तत् संबंधी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है।

2. पाणिनी व्याकरण की बुनियादी समझ उत्पन्न करना।

3. छंद गायन के शास्त्रीय स्वरूप से अवगत कराना।

4. छात्रों में संस्कृत ग्रंथों को पढ़ने और समझने की क्षमता बढ़ाना। तथा छात्रों में संस्कृत लेखन के प्रति जागरूकता पैदा करना एवं संस्कृत संभाषण के लिए प्रोत्साहित करना।